दैनिक स्वदेश, इन्दौर 9 MAR 2013

भाजपाई सरकारों के विकास को प्रधानमंत्री ने दी शाबाशी

'मन' ने माना मप्र,छग, बिहार ने विकास की नई दास्तान लिखी

(कृष्णमोहन सिंह)

नई दिल्ली, ८ मार्च ।

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने आज संसद में खुलकर स्वीकार किया कि बिहार और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों ने विकास की नई दास्तान लिखी है, जिन्हें कभी बीमारु राज्य कहकर पुकारा जाता था। प्रधानमंत्री ने आज राज्यसभा में विपक्षी राजग शासित बिहार, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों के विकास की सराहना की।

डॉ. सिंह ने राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर राज्यसभा में हुई चर्चा का उत्तर देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि संप्रग की सरकार ने राजग के कार्यकाल में बनी योजनाएं बरकरार रखीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, सर्व शिक्षा अभियान, स्वास्थ्य क्षेत्र और मिड डे मील के लिए वाजपेई सरकार के समय किए गए बजटीय प्रावधानों को संप्रग सरकार ने बढ़ाया था। उन्होंने कहा कि सड़क योजना के लिए राजग ने महज ९६८२ करोड़ रुपए रखे थे जबकि उनकी सरकार ने ५६ हजार २०० करोड़ की व्यवस्था की है। सर्वशिक्षा अभियान पर राजग ने २७३० करोड़ रुपए खर्च करने की व्यवस्था की थी, जबकि उनकी सरकार ने २१ हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का प्रावधान किया। देश की जनता के स्वास्थ्य के लिए राजग (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दहाई आंकड़े में प्रगति

आर्थिक प्रगति का जिक्र आने पर विशेष रूप से बिहार और मध्य प्रदेश का नाम लिया। उन्होंने कहा, जिन राज्यों को कभी बीमारु राज्य कहा जाता था। आज वे विकास की होड में आगे हो गए हैं। बिहार और मध्य प्रदेश ऐसे राज्य हैं, जहां वृद्धि दर पर बहुत कम थी लेकिन अब वे दहाई के आंकड़े में प्रगति कर रहे हैं।

सदस्यों ने स्वागत किया

मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है जबकि बिहार में भाजपा-जनता दलयू की सरकार है। इन दोनों राज्यों की आर्थिक प्रगति का उल्लेख किए जाने पर विपक्षी भाजपा और जदयू के सदस्यों ने मेजें थपथपा कर स्वागत किया।

मन ने माना...

के समय ७५०० करोड़ रुपए का खर्च हो रहा था, जबकि संप्रग ने इस क्षेत्र के लिए २७ हजार करोड़ रुपए रखे हैं। उन्होंने कहा कि यह वित्तीय असंतुलन नहीं है, बल्कि उन्हें सामाजिक क्षेत्र पर खर्च बढ़ाने का गर्व है। उन्होंने यह भी कहा कि वह आज बिहार और मध्यप्रदेश जैसे बीमारू राज्यों की प्रगति देख कर बहुत खुश है। उन्होंने स्वीकार किया कि छत्तीसगढ़ देश का दूसरा सबसे तेज विकास करने वाला राज्य है। उन्होंने कहा कि कई राज्यों में कृषि के क्षेत्र में बहुत प्रगति हो रही है। यह बहुत संतोष की बात है। उन्होंने सूखा और जलसंकट से प्रभावित राज्यों की समस्याओं को दूर करने के लिए मिल कर काम करने का भी वादा किया। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह विकास दर ऐसी ही नहीं रहेगी, बल्कि अगले दो तीन साल में अर्थ व्यवस्था में फिर से तेजी आएगी, जिससे विकास दर सात से आठ प्रतिशत पर पहुंच जाएगी।

पवार की भी तारीफ

डा. सिंह का कहना था कि केंद्र को इस बात की खुशी है कि देश के राज्य प्रगति की होड में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कृषि मंत्री शरद पवार की भी इस बात के लिए तारीफ की कि वह राज्यों में कृषि विकास पर खास ध्यान दे रहे हैं।